वृक्षों की अनधिकृत कटाई

5572. **श्री शिव चरण सिंह :** क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में वृक्षों की अनधिकृत कटाई और वनों में अनधिकृत खनन से संबद्ध मुकदमें दर्ज किये गये हैं; और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्यवार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि वृक्षों की कटाई करना और वनों में खनन कार्य करना तथा उत्पाद को ले जाना वन-उत्पाद की चोरी करना है और यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान विभाग द्वारा दर्ज करवाये गये चोरी के मामलों की राज्यवार संख्या कितनी है ;

(ग) क्या यह सच है कि विभाग स्वयं ही वन-संरक्षण के प्रति उदासीन रवैया अपनाये हुये हैं ; यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और यदि नहीं तो वन अधिनियम बनाये जाते समय वन क्षेत्र कितने प्रतिशत था और अब कितना प्रतिशत है ; और

(घ) क्या यह सच है कि संबद्ध विभाग के वनों में तैनात कर्मचारी अपने कर्तव्यों के मामले में समय-निष्ठ नहीं, हैं ; यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और यदि नहीं, तो क्या मौके पर जांच किये जाने का प्रस्ताव है ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ) : (क) और (ख) पेड़ों की अवैध कटाई और वनों के भीतर अवैध खनन से संबंधित वन अपराध के मामलों को भारतीय वन अधिनियम, 1927 तथा वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के अन्तर्गत दर्ज किया जाता है । पेड़ों की अवैध कटाई तथा वनों के भीतर अवैध खनन कार्य अपराध है । वन विभाग की अनुमति के बिना वन उत्पाद ले जाना चोरी है । वन अपराध से संबंधित मामलों के ब्यौरे संबंधित राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों में सभाग स्तर पर रखे जाते हैं ।

(ग) जी, नही ।

वनों के प्रभावी संरक्षण उपायों एवं वैज्ञानिक प्रबंध की वजह से भारत के वन आवरण में वृद्धि हो रही है । वन आवरण के बारे में भारतीय वन सर्वेक्षण के 1987 और 1989 की रिपोर्टों की तुलना करने पर पता चलता है कि वार्षिक क्षति 47,500 है० थी और 1989 और 1991 की रिपोर्टों की तुलना से 28,000 है० वार्षिक बढ़ोत्तरी का पता चलता है । इसके अतिरिक्त, 1993 की रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिवर्ष 1100 है० की वृद्धि देखी गई है ।

1993 के मूल्यांकन के अनसार देश का वन आवरण 6,40,107 वर्ग कि० मी० है । जोकि देश के कुल भौगोलिक क्षत्र का 19.5 प्रतिशत है ।

(घ) जी, नहीं ।

गुजरात में वनों के विकास के लिए परियोजनाएं

5573. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल :** क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गुजरात में वनों के विकास के लिये गत तीन वर्षों के दौरान, केन्द्रीय और विदेशी सहायता से शुरू की गई परियोजनाओं का वर्ष वार ब्यौरा क्या है ;

(ख) इस संबंध में अब तक कितनी उपलब्धि प्राप्त की गई है ;

(ग) राज्य को उक्त प्रयोजनार्थ कितनी वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाई गई है ; और

(घ) उन परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है जिनके निकट भविष्य में आरम्भ होने की संभावना है ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ) (क) से (ग) विगत तीन वर्षों के दौरान गुजरात में वनों के विकास के लिये दी गई केन्द्रीय/विदेशी वित्तीय सहायता तथा प्राप्त उपलब्धियों के वर्षवार ब्यौरे विवरण दिए गये हैं । **(नीचे देखिये)**

(घ) केन्द्र सरकार की योजनाओं के अन्तर्गत वनों के विकास की जो परियोजनायें हैं उन पर राज्य सरकार द्वारा भेजे गये प्रस्तावों के आधार पर वर्ष 1994-95 के दौरान वित्तीय सहायता के प्रावधान हेतु विचार किया जायेगा।

इसके अतिरिक्त, उल्लेखनीय है कि गुजरात राज्य सरकार ने "समेकित वानिकी परियोजना, गुजरात, चरण-III" नामक एक परियोजना तैयार की है जिस पर विदेशी सहायता के प्रावधान हेतु विचार किया जा रहा है।

विवरण

I. गुजरात राज्य में वनों के विकास के लिए प्रदान की गई केंद्रीय सहायता के ब्यौरे

क्र.सं.	परियोजना का नाम	दी गई केन्द्रीय सहायता (लाख रुपये)			सम्मिलित क्षेत्र (हैक्टेयर में)		
		1991-92	1992-93	1993-94	1991-1992	1992-93	1993-94
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	समेकित बंजर भूमि विकास परियोजना/समेकित वनीकरण और पारिस्थितिकी विकास परियोजनायें	72.96	103.92	357.37	3143	2074	5700
2.	क्षेत्रोन्मुखी ईंधन लकड़ी और चारा परियोजनायें	212.98	120.85	84.87	4286	3000	2000
3.	लघुवनोपज	54.20	47.	103.00	1000	874	1100
4.	बीज विकास	9 65	10.62	18.72	**	**	**
5	मरूस्थल विकास कार्यक्रम (डीडीपी)	139.20	135.39	161.51	1625	1975	1305
6	सूखा प्रवण क्षेत्रों का कार्यक्रम (डीपीएपी)	233.46	233 26	314 10	..125	1899	2850
7.	नदी घाटी परियोजना	200 00	197 50	182.50	3230	4324	6822
	योग	922.45	849.23	1222 07	16409	14146	19777

*—हैक्टेयर के आधार पर लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है।

II. गुजरात राज्य में कार्यान्वित विश्व बैंक से सहायता प्राप्त राष्ट्रीय सामाजिक वानिकी परियोजना

1	2	3	4	5	6	7	8
1.	राष्ट्रीय सामाजिक वानिकी परियोजना (विश्व बैंक से सहायता प्राप्त)	3397.00	3558.00	—	132000	128000	—

टिप्पणी:—परियोजना मार्च, 1993 को समाप्त हुई ।

Utilisation of alcohol as Substitute for petrol

5574. SHRI MATANG SINH Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether Government are aware that Brazil has developed a technology for utilization of alcohol as substitute for petrol;

(b) whether Government have received any offer from that country for providing the know-how and technology in this regard and if so, the details thereof including the terms and Conditions put by that country; and

(c) what is the reaction of Government of India in regard thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENVIROMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) During the visit of Mr. Rubens Ricupero, the then Minister for the Environment and the Amazon Region of Brazil, to India in February, 1994, both the countries have agreed to contemplate steps for formulating projects related to the Brazilian experience in utilising alcohol as a substitute for petrol. The terms and conditions for providing the know-how and technology have not yet been formulated.

Steps taken to Eliminate Bird Hits

5575. SHRI PRAMOD MAHAJAN: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Ministry has taken objections to some of the steps taken by Civil Aviation Ministry to eliminate bird-hits to aircrafts; and

(b) if so, what are the details thereof and the reaction of the Civil Aviation Ministry thereto?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) No. Sir.

(b) Does not arise.

पादप रोपण पर व्यय की गई राशि

5576. **श्री राम जी लाल :** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार द्वारा गत तीन वर्षों के दौरान 31 मार्च, 1994 तक पादप रोपण पर वर्षवार और राज्यवार कितनी राशि व्यय की गई है;

(ख) उक्त अवधि के दौरान रोपित कुल पादपों में से कितने पादप अब